**लंदन अंतर-बैंक प्रस्ताव दर (लिबोर) अवस्थांतर पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न**

**FAQs on LIBOR Transition**

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) लिबोर से बाजार अवस्थांतर का समर्थन करता है। लिबोर से अवस्थांतर में ग्राहक- संप्रेषण एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्ष 2021 के बाद हमारे ग्राहकों को लिबोर के बंद होने के बारे में सूचित किए जाने को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से और इस कार्य में उनका समर्थन करने के लिए, हमने अक्सर पूछे जाने वाले ये सामान्य प्रश्न नीचे प्रस्तुत किए हैं।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI) supports the market transition from LIBOR. Client Communication forms an important part in our transition away from LIBOR. In order to ensure our clients remain informed about LIBOR discontinuation after 2021 and to support them in this journey, we have produced these general FAQs below.

1. **लिबोर क्या है? What is LIBOR?**

लिबोर का अर्थ लंदन अंतर-बैंक प्रस्ताव दर है जो बेंचमार्क ब्याज दर है जिस दर पर बैंक अंतर- बैंक बाजार में एक दूसरे को उधार देते हैं और उधार लेते हैं। सारांश, यह है कि अंतरबैंक बाजार में गैर प्रतिभूतगत अल्पकालिक उधार दर है। यह अंतर महाद्वीपीय विनिमय (आईसीई) द्वारा शासित है, जो उपलब्ध संव्यहारगत आंकडें और उनके विशेषज्ञ निर्णय का उपयोग करके सूचीबद्ध बैंकों द्वारा की गई प्रस्तुतियों के आधार पर दरों का परिकलन करता है। यह अमेरिकी डॉलर, यूरो, ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और स्विस फ्रैंक सहित पांच मुद्राओं में दैनिक रूप से प्रकाशित किया जाता है, जिसमें सात अलग-अलग परिपक्वताएं यथा ओवरनाइट, 1 सप्ताह, 1 महीना, 2 महीने, 3 महीने, 6 महीने और 12 महीने होती हैं, । इसका उपयोग कई व्युत्पन्नों (डेरिवेटिव), बॉन्डों, ऋण, प्रतिभूतिकरण, जमा और अन्य उत्पादों में एक प्रमुख न्यूनतम ब्याज दर (बेंचमार्क) के रूप में किया जाता है।

LIBOR stands for London Inter-Bank Offered Rate which is the benchmark interest rate at which banks lend to and borrow from one another in the interbank market. Essentially, it is the rate for unsecured short-term borrowing in the interbank market. It is administered by the Intercontinental Exchange (ICE), which calculates the rates on the basis of submissions by panel banks using available transaction data and their expert judgment. It is published daily across five currencies including the US dollar, Euro, British Pound, Japanese yen and Swiss Franc, with seven different maturities namely overnight, 1 week, 1 month, 2 months, 3 months, 6 months and 12 months. It is used as a key interest rate benchmark across a number of derivatives, bonds, loans, securitizations, deposits and other products.

1.**1लिबोर का उपयोग /Use of Libor**

ऋण के संघीय व्यवसाय बाजार के शुरुआत के बाद से, ऋण के लिए मूल्य निर्धारण उस ब्याज दर के संदर्भ में निर्धारित किया गया है जिस दर पर बैंकों द्वारा उस बाजार में अन्य प्रमुख बैंकों को जमा का प्रस्ताव किया गया था – अंतर बैंक दरों या आईबोर का प्रस्ताव करता है - लंदन अग्रणी बाजार होने के कारण - लंदन अंतर बैंक दर या लिबोर का प्रस्ताव करता था । प्रकाशित आईबोर उचित आकार के बाजार में संव्यवहार अंतरबैंक बाजार में सूचीबद्ध बैंकों द्वारा प्रस्तुत उन दरों पर आधारित थे, जिन्हें सूचीबद्ध बैंकों (पैनल बैंकों) के अनुसार प्रस्तावित किया जा सकता था ।

Since the inception of the syndicated loan market, pricing for loans has been set by reference to the interest rate at which deposits were offered by banks to other prime banks in that market – interbank offered rates or IBORs – with London being the leading market – the London Inter Bank Offered Rate or LIBOR. Published IBORs were based on the panel banks’ submissions of the rates the panel banks considered they *could* be offered in the interbank market when transacting in reasonable market size.

जैसे-जैसे ऋण बाजार विकसित हुए, विस्तृत श्रृंखला की मुद्राओं और अवधियों के लिए इस दर को उद्धृत किया गया और इसके उपयोग में आसानी के परिणामस्वरूप, व्यापक श्रेणी के वित्तीय अनुबंधों (विशेष रूप से व्युत्पन्न अनुबंधों) और मूल्य निर्धारण स्रोत के रूप में अन्य वाणिज्यिक व्यवस्थाओं में लिबोर ने अपना स्थान बना लिया। .

As the loan markets developed, LIBOR was quoted for a wide range of currencies and tenors and as a result of its ease of use, found its way into a wide range of financial contracts (particularly derivative contracts) and other commercial arrangements as a pricing source.

1. **लिबोर में क्या समस्याएँ हैं? What are the issues with LIBOR?**

लिबोर के प्रारम्भ से ही परिकलन के लिए प्रयुक्त क्रियाविधि काफी हद तक अपरिवर्तित रही है। प्रत्येक दिन, "पैनल बैंक" के रूप में जाने जाने वाले बैंकों का एक बड़ा समूह, वर्ष 2014 से लिबोर का प्रशासन संभालने वाले इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज बेंचमार्क एडमिनिस्ट्रेशन को अपनी वित्तपोषण दरें रिपोर्ट करता है, उन नंबरों का औसत, समायोजन कर लंदन के प्रत्येक व्यावसायिक दिन के समय लगभग 11:55 पूर्वाह्न में जारी किया जाता है। इस प्रक्रिया में दो मुख्य समस्याएँ हैं: पहला, वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के बाद से लिबोर के परिकलन के नमूना आकार में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके बाद, कम पैनल बैंक रिपोर्ट कर रहे हैं, और जो करते हैं, वे बाजार संव्यवहार के आधार पर कम दरें रिपोर्ट करते हैं। इसके बजाय, इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज बेंचमार्क एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार लिबोर में व्यापक रूप से "बाजार और संव्यवहार डेटा-आधारित विशेषज्ञ निर्णय" पर भरोसा किया है। इसलिए, इस बारे में चिंता व्यक्त की गई थी कि लिबोर बाजार की वास्तविकताओं को कितनी अच्छी तरह दर्शाता है क्योंकि यह वास्तविक बाजार संव्यवहार पर आधारित नहीं है। दूसरी तरफ, पैनल बैंकों की निविष्टियों पर लिबोर की निर्भरता ने इसे हेरफेर के लिए खुला छोड़ दिया है, और विनियामकों द्वारा उजागर की गई कई अनियमितताएं हैं, जिसके कारण इसमें शामिल लोगों को बड़ा जुर्माना लगा है। परिणामस्वरूप, वैश्विक विनियामक पहलों के माध्यम से वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) विकसित करने की मांग की गई है।

The methodology for calculating LIBOR has remained largely unchanged since it was introduced. Each day, a group of large banks, known as “panel banks”, report their funding rates to the Intercontinental Exchange Benchmark Administration, which took over administering LIBOR in 2014. Those numbers are averaged, adjusted and released at about 11:55 a.m. London time each business day. There are two main concerns with this process: first, there has been a significant decline in the sample size for calculating LIBOR since the 2008 financial crisis. In its aftermath, fewer panel banks have been reporting, and those that do, report fewer quotes based on market transactions. Instead, LIBOR has increasingly relied on what the Intercontinental Exchange Benchmark Administration calls "market and transaction data-based expert judgment." Therefore, concerns were raised about how well LIBOR reflects market realities since it is not based on actual market transactions. Secondly, LIBOR’s reliance on inputs from panel banks opened it to manipulation, and there have been a range of irregularities uncovered by regulators, which have led to large fines for those involved. As a result, global regulatory initiatives have sought to develop alternative reference rates (ARRs).

1. **लिबोर अवस्थांतर क्या है? / What is LIBOR transition?**

वैश्विक विनियामकों की इच्छा थी कि बेंचमार्क दर वास्तविक संव्यवहार पर आधारित किए जाए, न कि विशेषज्ञ निर्णय पर, ताकि मजबूत और विश्वसनीय हो। वर्ष 2017 में, यूके फाइनेंशियल कंडक्ट अथॉरिटी ने घोषणा की कि जिन अंतर्निहित बाजारों पर लिबोर व्युत्पन्न हुआ है, उनकी सक्रियता एक स्थायी ब्याज दर बेंचमार्क प्रस्तुत करने के लिए अपर्याप्त थी।

Global regulators desired that interest rate benchmarks be founded upon actual transactions, not expert judgment, in order to be robust and reliable. In 2017, the UK Financial Conduct Authority announced that the underlying markets upon which LIBOR is derived were insufficiently active to offer a sustainable interest rate benchmark.

जबकि विनियामकों ने 2021 के बाद से चुनिंदा अवधि के लिए कृत्रिम यूसडी लिबोर के प्रकाशन की अनुमति दी है, विनियामकों ने वित्तीय बाजारों का नियमित मार्गदर्शन किया है कि उन्हें 2021 के अंत के बाद लिबोर की उपलब्धता को नहीं मानना ​​चाहिए और नए उत्पादों और मौजूदा अनुबंधों को वैकल्पिक बेंचमार्क दरों में अवस्थांतरित करना चाहिए।

While regulators have allowed publication of synthetic USD LIBOR for select tenors beyond 2021, regulators have consistently guided financial markets that they should not assume the availability of LIBOR after the end of 2021 and must transition both new products and existing contracts to alternative benchmark rates.

लिबोर के प्रशासक के रूप में, आईसीई बेंचमार्क प्रशासन ने यूएसडी लिबोर के संबंध में 30 नवंबर, 2020 को घोषणा की कि वह (31 दिसंबर, 2021 के बाद प्रकाशन को बंद करने वाले एक सप्ताह और दो महीने की सेटिंग्स के साथ) 30 जून, 2023 तक 2023 तक ओवरनाइट, एक, तीन, छह और बारह महीने यूएसडी लिबोर को प्रकाशित करना जारी रखने के प्रस्ताव पर परामर्श करने का इरादा रखता है । इसके साथ ही, कतिपय अमेरिकी विनियामक एजेंसियों (अमेरिकी विनियामकों) ने एक बयान जारी कर बैंकों को 2021 के अंत के बाद यूएसडी लिबोर का उपयोग करके नए अनुबंधों को न करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

In relation to USD LIBOR, ICE Benchmark Administration, as administrator of LIBOR, announced on November 30, 2020 that it intends to consult on a proposal to continue publishing overnight, one, three, six and twelve month USD LIBOR until June 30, 2023 (with one week and two month settings ceasing publication following December 31, 2021). Concurrently, certain US regulatory agencies (the US Regulators) released a statement encouraging banks to cease entering into new contracts that use USD LIBOR after the end of 2021.

**3.1** लिबोर को हटाने की तिथियां **Phase-out dates of LIBOR**

लिबोर की अवस्थान्तर प्रक्रिया को विभिन्न चरणों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की तैयारी है। लिबोर को हटाने की तारीखें निम्नवत् हैं:

The transition process of LIBOR is set to be phased out in various stages. Below mentioned are the phasing out dates for LIBOR:

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **31 दिसंबर 21**  **31 Dec 21** | **01 जनवरी 22**  **1 Jan 22** | **30 जून 23**  **30 Jun 23** |
| जीबीपी, ईयूआर, सीएचएफ एवं जेपीवाई सेटिंग्स और 1 सप्ताह और 2 महीने की यूएसडी के सभी अवधियों के लिए लिबोर दरों की समाप्ति।  Cessation of LIBOR quotes for all tenures for GBP, EUR, CHF & JPY settings and 1 week and 2 month USD settings. | लिबोर आधारित किसी भी नए ऋण और व्युत्पन्नी अनुबंधों को न जारी करना ।  Cessation of issuing any new LIBOR based loans and derivative contracts. | शेष यूएसडी सेटिंग्स (ओवरनाइट, 1 माह, 3 माह, 6 माह और 12 माह) के लिए लिबोर दरों की समाप्ति Cessation of LIBOR quotes for remaining USD settings (O/N, 1m, 3m, 6m and 12m) |

3.2 **लिबोर अवस्थांतर का प्रबंध करने वाले विनियामक निकाय**

**Regulatory Bodies Managing the LIBOR Transition**

**i**. यूके फाइनेंशियल कंडक्ट अथॉरिटी (एमसीए), लिबोर की विनियामक संस्था ने घोषणा की है कि वह लिबोर पैनल बैंकों को जून 2023 के अंत से तीन महीने और छह महीने के लिबोर के लिए प्रस्तुतियाँ करने के लिए बाध्य नहीं करेगी।

**i. UK Financial Conduct Authority** (FCA)**,** the regulatory body of LIBOR, has announced that it will not compel LIBOR panel banks to make submissions for three-month and six-month LIBOR beyond the end of June 2023.

ii. अमेरिकी डॉलर लिबोर बाजार के लिए, **वैकल्पिक संदर्भ दर समिति** (एआरआरसी) एक वैकल्पिक बेंचमार्क ब्याज दर निर्धारित कर रही है। एआरआरसी में फेडरल रिजर्व बोर्ड और फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क द्वारा बुलाई गई निजी बाजार सहभागियों का समावेश है।

**ii.** For the U.S. dollar LIBOR market, the **Alternative Reference Rates Committee (ARRC)** is determining an alternative benchmark rate. The ARRC is comprised of private market participants convened by the Federal Reserve Board and the Federal Reserve Bank of New York.

iii. व्युत्पन्नी बाजारों के लिए, अंतर्राष्ट्रीय स्वैप और डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (आईएसडीए) को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विनियामकों का एक संघ वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी), द्वारा अनिवार्य किया गया था, ताकि निवर्तन(फॉलबॅक) प्रावधानों का मसौदा तैयार किया जा सके, फ़ॉलबैक दरों और 2006 (आईएसडीए) परिभाषाओं के लिए क्रियाविधि का चयन किया जा सके, और लिबोर के संदर्भ की परम्परा से प्राप्त अनुबंधों में संशोधन करने की योजना विकसित की जा सके। आईएसडीए ने इन प्रस्तावित फॉलबैक प्रावधानों, फॉलबैक दरों, तंत्रों और मसौदा संशोधनों को 23 अक्टूबर, 2020 को आईबोर फॉलबैक्स सप्लीमेंट और आईबीओआर फॉलबैक प्रोटोकॉल में प्रकाशित किया।

**iii.** For derivatives markets, the **International Swaps and Derivatives Association (ISDA)** was mandated by the **Financial Stability Board (FSB)**, a consortium of national and international regulators, to draft fallback provisions, select the fallback rates and mechanisms for the 2006 ISDA Definitions, and develop a plan to amend legacy contracts referencing LIBOR. ISDA published these proposed fallback provisions, fallback rates, mechanisms, and draft amendments on Oct. 23, 2020, in the IBOR Fallbacks Supplement and IBOR Fallbacks Protocol.

3.3 **कतिपय बाजारों के एआरआर का संक्षिप्त विवरण**  **Overview of ARRs in Certain Markets**

विविध बाजारों में विभिन्न उद्योग समूह और कार्य समूह अपनी पसंदीदा वैकल्पिक बेंचमार्क दर का निर्धारण करने और उसके अनुसार अपने बाजारों को अवस्थान्तरित करने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यरत हैं। प्रत्येक अनुशंसित वैकल्पिक दर की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह मौजूदा लिबोर दरों की तुलना में अधिक टिकाऊ और मजबूत बनाने के उद्देश्य से गहन और चलनिधि बाजारों के वास्तविक संव्यवहार के आंकड़ों पर आधारित है।

Various industry groups and working groups exist in different markets to identify their preferred alternative benchmark rate and facilitate the process of transitioning their markets onto them. A key characteristic of each recommended alternative rate is that it is based on actual transaction data from deep and liquid markets, with the intention of making it more sustainable and robust than current LIBOR rates.

नीचे दी गई तालिका अनुशंसित वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) दर्शाती है जो प्रत्येक लिबोर मुद्राओं के लिए लगभग जोखिम-मुक्त दरें (आरएफआर) हैं:

The table below shows the recommended Alternative Reference Rates (ARRs) which are nearly Risk-Free Rates (RFRs) for each of the LIBOR currencies:

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | **यूएसए USA** | **यूके UK** | **ईयू EU** | **स्विट्ज़रलैंड Switzerland** | **जापानJapan** |
| वैकल्पिक संदर्भ दर  (एआरआर) Alternate Reference Rate (ARR) | प्रतिभूत ओवरनाइट वित्तपोषण दर (एसओएफआर) Secured Overnight Financing Rate (SOFR) | स्टर्लिंग ओवरनाइट अंतर बैंक औसत दर (सोनिया)  Sterling Overnight Interbank  Average Rate (SONIA) | यूरो अल्पकालिक दर (ईएसटीआर)  Euro Short Term Rate (ESTR) | ओवरनाइट स्विस औसत दर (सारोंन) (SARON)  Swiss Average Rate  Overnight (SARON) | टोकियो का ओवरनाइट औसत दर (टोनार) Tokyo Overnight Average  Rate (TONAR) |
| प्रतिभूत Secured | हां Yes | नहीं No | नहीं No | हाँ Yes | नहीं No |
| अवधि Tenor | ओवरनाइट Overnight | ओवरनाइट Overnight | ओवरनाइट Overnight | ओवरनाइट Overnight | ओवरनाइट Overnight |
| प्रतिपक्ष बैंक Counterparties | बैंक और गैर-बैंक Banks and non-banks | बैंक और गैर-बैंक Banks and non-banks | बैंक और गैर-बैंक Banks and non-banks | केवल बैंक Banks only | बैंक और गैर-बैंक Banks and non-banks |

**3.4 लिबोर अवस्थांतर के संबंध में भारत का विनियामक रुख**

**3.4 Regulatory stance in India in relation to LIBOR transition**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने लिबोर अवस्थांतर के लिए लिबोर को एक बेंचमार्क के रूप में संदर्भित करने वाले बैंकों / वित्तीय संस्थानों और उनके ग्राहकों को नए वित्तीय अनुबंधों में प्रवेश बंद करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक रोडमैप जारी किया है और लिबोर के बजाय किसी भी स्वीकृत एआरआर का जितना शीघ्र व्यवहार्य, हो सके, उपयोग करने के लिए और किसी भी स्थिति में 31 दिसंबर, 2021 तक अवश्य प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। आरबीआई अधिसूचना को निम्नलिखित लिंक (https://www.rbi.org.in/scripts/NotificationUser.aspx?Id=12128&Mode=0) का उपयोग करके देखा जा सकता है।

The Reserve Bank of India (RBI) has released a Roadmap for LIBOR transition and encouraged banks / financial institutions to cease and also encourage their customers to cease, entering into new financial contracts that reference LIBOR as a benchmark and instead use any widely accepted ARR, as soon as practicable and in any case by December 31, 2021. The RBI Notification may be accessed using the following link (https://www.rbi.org.in/scripts/NotificationUser.aspx?Id=12128&Mode=0).

1. **आरएफआर क्या हैं और प्रत्येक आरएफआर की गणना कैसे की जाती है? वे आईबीओआर से कैसे भिन्न हैं?**

**What are RFRs and how is each RFR calculated? How do they differ from IBORs?**

लिबोर से अवस्थांतर की तैयारी में, विभिन्न प्राधिकरणों, उद्योग निकायों और व्यापार संघों ने लिबोर के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में कुछ आरएफआर की पहचान की है, जिसका उल्लेख उपर्युक्त तालिका में किया गया है और/या इस पर विचार किया जा रहा है कि मौजूदा बेंचमार्क दरों में कैसे सुधार किया जाए।

In preparation for the transition away from LIBOR, various authorities, industry bodies and trade associations have identified certain RFRs as possible replacements for LIBOR, as mentioned in the table above and/or are considering how existing benchmark rates might be reformed.

आरएफआर ओवरनाइट दरें हैं, जो परंपरागत रूप से गत समय पर दृष्टि वाली दरें हैं, अर्थात उस संबंधित अवधि के बाद प्रकाशित किए जाते हैं। आरएफआर को लिबोर की तुलना में अधिक सुदृढ़ और प्रतिनिधित्वपरक माना जाता है क्योंकि यह लिबोर की तुलना में अंतर्निहित बाजार में संव्यवहार की निर्धारित दर को काफी हद तक सूचित करता है।

RFRs are overnight rates, which traditionally are backward-looking, i.e. are published after the period to which they relate. RFRs are considered to be more robust and representative than LIBOR because transactions in the underlying market inform the determined rate to a greater extent than is currently the case for LIBOR.

आरएफआर का परिकलन एक अलग आधार पर किया जाता है और यह लिबोर का समतुल्य प्रतिस्थापन नहीं हैं। लिबोर उस अवधि के शुरू होने से पहले या उससे पहले नियत किया जाता है, जिससे वे संबंधित होते हैं, जो उस अवधि के अंत में देय राशियों के प्रति अनिश्चितता की अनुमति देता है । लिबोर और आरएफआर के बीच अंतर की एक गैर-विस्तृत सूची नीचे दी गई है:

RFRs are calculated on a different basis and are not like-for-like replacements for LIBOR. LIBOR is set at or prior to the commencement of the period to which they relate, allowing uncertainty during such a period over amounts which will be due at the end of that period. A non-exhaustive list of the differences between LIBOR and RFRs is mentioned below:

लिबोर कई अवधियों (ओवरनाइट , 1 सप्ताह, 1 महीना, 2 महीना, 3 महीना, 6महीना, 12महीना) में एक अवधि दर के लिए न्यूनतम मानदंड है, जबकि आरएफआर बिना किसी अवधि घटक के एक रात के लिए दर हैं;

LIBOR is a term rate benchmark across multiple tenors (O/N, 1W, 1M, 2M, 3M, 6M, 12M), whereas RFRs are overnight rates with no term element;

* लिबोर एक अग्रगामी दर है, जबकि आरएफआर गत समय पर दृष्टि वाली दरें हैं;
* LIBOR is a forward-looking rate, whereas RFRs are backward-looking rates;
* लिबोर में बैंक ऋण और सावधि चलनिधि जोखिम के लिए एक प्रीमियम शामिल है। इसके विपरीत, जबकि प्रत्येक आर एफ आर की सामायिक प्रकृति भिन्न हो सकती है, सामान्य तौर पर आरएफआर में बहुत कम या कोई अतिरिक्त प्रीमियम नहीं होता है क्योंकि वे ओवरनाइट और कभी-कभी प्रतिभूत होते हैं; तथा
* LIBOR contains a premium for bank credit and term liquidity risk. In contrast, while the precise nature of each RFR may vary, in general the RFRs contain little or no such additional premiums because they are overnight and sometimes secured; and
* प्रत्येक लिबोर मुद्रा के लिए, प्रतिस्थापन आर एफ आर में अलग-अलग विशेषताएँ और एक विशिष्ट आर एफ आर प्रशासक दोनों होंगे, जबकि लिबोर में सभी मुद्राओं के लिए एक ही व्यवस्थापक द्वारा विशेषताओं के एक सेट के अनुसार प्रशासित किया जाता है।
* For each LIBOR currency, the replacement RFR would have both distinct characteristics and a distinct RFR administrator, whereas LIBOR is administered by a single administrator for all currencies, according to a single set of characteristics.

1. **फ़ॉलबैक क्या हैं?** **What are fallbacks?**

फ़ॉलबैक संविदात्मक प्रावधान हैं जो स्प्रेड समायोजन के साथ संदर्भित लिबोर दर से प्रतिस्थापन दर में अवस्थांतर के लिए ट्रिगर घटना निर्दिष्ट करते हैं।

Fallbacks are contractual provisions that specify trigger events for a transition from referenced LIBOR rate to a replacement rate along with spread adjustments.

1. **यदि आरएफआर का कोई अवधि संरचना नहीं है लेकिन लिबोर के लिए है, तो आरएफआर को लिबोर के फॉलबैक के रूप में कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है?**

**If RFRs have no term structure but LIBOR does, how can RFRs be used as fallbacks for LIBOR?**

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, आरएफआर रातभर के संव्यवहार पर आधारित होते हैं इसलिए एक रात की दर होती है और इसके विपरीत लिबोर के दर विभिन्न अवधियों में प्रकाशित होती हैं। आरएफआर की रात भर की दर जोखिम-मुक्त या लगभग जोखिम-मुक्त होते हैं जबकि लिबोर बैंक क्रेडिट जोखिम प्रीमियम और चलनिधि और आपूर्ति और मांग में उतार-चढ़ाव जैसे अन्य कारकों को दर्शाते हैं। परिणामस्वरूप, लिबोर के लिए फॉलबैक के रूप में उपयोग किए जाने के लिए प्रासंगिक आरएफआर में समायोजन किए जाने की आवश्यकता है।

As mentioned above, RFRs are based on overnight transactions and are therefore overnight rates as opposed to LIBOR which is published in multiple tenors. The overnight RFRs are risk-free or nearly risk-free while LIBOR reflect bank credit risk premium and other factors such as liquidity and supply and demand fluctuations. Consequently, adjustments need to be made to the relevant RFR to be used as fallbacks to LIBOR.

एक "सावधि समायोजन" एक अवधि दर से एक रात के दर में जाने के आधार पर होगा और इसमें "समायोजित आर एफ आर " पर पहुंचने के लिए दैनिक आधार पर आरएफआर को चक्रवृद्धि करना शामिल होगा। व्युत्पन्नों के लिए, इंटरनेशनल स्वैप एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (आईएसडीए) ने निर्धारित किया है कि बकाया दर में मिश्रित सेटिंग लागू होगी। इस तरह की कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप एक समायोजित आरएफआर होगा जो कि ब्याज अवधि की शुरुआत के बजाय प्रासंगिक ब्याज अवधि के अंत में जाना जाता है।

A “term adjustment” will account for the move from a term rate to an overnight rate and this will likely involve compounding the RFR on a daily basis to arrive at an “adjusted RFR”. For derivatives, the International Swaps and Derivatives Association (ISDA) has determined that the compounded setting in arrears rate will apply. Such a methodology will result in an adjusted RFR that is known at the end of the relevant interest period, rather than at the start of the interest period.

प्रासंगिक लिबोर और समायोजित आरएफआर के बीच दर अंतर के लिए खाते में प्रासंगिक समायोजित आरएफआर पर एक "प्रसार समायोजन" लागू किया जाएगा। व्युत्पन्न उत्पादों के लिए, आईएसडीए ने निर्धारित किया है कि लिबोर की स्थायी समाप्ति पर, स्प्रेड समायोजन प्रासंगिक आईबीओआर और पांच साल की लुकबैक अवधि में गणना की गई समायोजित आरएफआर के बीच ऐतिहासिक औसत फैलाव पर आधारित होगा। नकद उत्पादों के लिए, वैकल्पिक संदर्भ दर समिति (एआरआरसी) और स्टर्लिंग जोखिम मुक्त दर कार्य समूह (आरएफआरडब्ल्यूजी) दोनों ने भी इसी तरह की पांच-वर्षीय औसत प्रसार समायोजन पद्धति के उपयोग की सिफारिश की है।

A “spread adjustment” will then be applied to the relevant adjusted RFR to account for the rate differential between the relevant LIBOR and the adjusted RFR. For derivative products, ISDA has determined that upon a permanent cessation of LIBOR, the spread adjustment will be based on the historical median spread between the relevant IBOR and the adjusted RFR calculated over a five-year lookback period. For cash products, both the Alternative Reference Rates Committee (ARRC) and the Sterling Risk Free Rate Working Group (RFRWG) have also recommended the use of a similar five-year median spread adjustment methodology.

1. **सीएमई अवधि एसओएफआर क्या है?What is CME Term SOFR?**

शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज (सीएमई) अवधि एसओएफआर संदर्भ दरें सीएमई ग्रुप बेंचमार्क एडमिनिस्ट्रेशन लिमिटेड (सीबीए) द्वारा प्रशासित हैं, जो बेंचमार्क (संशोधन और अवस्थांतरकालीन प्रावधान) (ईयू एक्जिट) विनियम 2019 (एसआई 2019/657) के तहत पंजीकृत और प्राधिकृत है तथा यूके वित्तीय आचरण प्राधिकरण (एफसीए) और वित्तीय बेंचमार्क के लिए आईओएससीओ सिद्धांतों से संरेखित है।

Chicago Mercantile Exchange (CME) Term SOFR Reference Rates are administered by CME Group Benchmark Administration Limited (CBA), which is registered under Benchmarks (Amendment and Transitional Provision) (EU Exit) Regulations 2019 (SI 2019/657) is authorized and supervised by the UK Financial Conduct Authority (FCA) and is aligned to the IOSCO Principles for Financial Benchmarks.

सीएमई अवधि एसओएफआर संदर्भ दरें उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं और वित्तीय बेंचमार्क के लिए आईओएससीओ सिद्धांतों पर आधारित एक बेंचमार्क है। सीएमई अवधि एसओएफआर संदर्भ दरें भविष्योन्मुखी ब्याज दर अनुमानों का एक दैनिक सेट हैं, जिन्हें 1 महीने, 3 महीने, 6 महीने और 12 महीने की अवधि के लिए परिकलित और प्रकाशित किया जाता है। प्रत्येक सीएमई अवधि एसओएफआर संदर्भ दरें अवधि प्रकाशन दिवस के बाद दूसरे यूएस सरकार सिक्योरिटीज व्यवसाय दिन पर शुरू होगी (और इसमें शामिल है) और आशोधित अनुवर्ती दिन-गणना चलन के अनुसार संबंधित अवधि का विस्तार करेगी।

CME Term SOFR Reference Rates is a benchmark based on industry best practices and the IOSCO Principles for Financial Benchmarks. CME Term SOFR Reference Rates are a daily set of forward-looking interest rate estimates, calculated and published for 1-month, 3-month, 6-month and 12-month tenors. Each CME Term SOFR Reference Rates tenor will start on (and include) the second US Government Securities Business Day following the publication day and span the corresponding tenor in accordance with Modified Following day-count conventions.

8. **सिडबी के ग्राहकों के लिए इन सुधारों का क्या अर्थ हो सकता है?**

**What could these reforms mean for SIDBI’s customers?**

वर्ष 2021 (या जून 2023, कतिपय यूएसडी लिबोर सेटिंग्स के लिए) के बाद परिपक्व होने के कारण लिबोर एक्सपोज़र वाले ग्राहक लिबोर के स्थायी समाप्ति के जोखिम के संपर्क में हैं। लिबोर की समाप्ति पर, लिबोर एक्सपोज़र वाले ग्राहक अपने अनुबंध और बचावों (हेजेज) को अब इच्छित अनुसार काम करते हुए नहीं पाएंगे। इसके अलावा, अवस्थांतर में देरी से तरलता जोखिम में वृद्धि हो सकती है यदि बाजार की मात्रा कम हो जाती है, तो अनुबंध पुनर्मूल्यांकन प्रभावित होगा ।

Customers with LIBOR exposures due to mature beyond 2021 (or June 2023, for certain USD LIBOR settings) are exposed to the risk of the permanent cessation of LIBOR. Upon the cessation of LIBOR, clients with LIBOR exposures could find their contracts and hedges no longer operate as intended. Furthermore, delaying the transition could lead to increased exposure to liquidity risk if market volumes are reduced, impacting contract repricing.

सिडबी के ग्राहकों को लिबोर को संदर्भित करने वाले किसी भी अनुबंध को संबंधित आरएफआर या पार्टियों के बीच सहमति के अनुसार वैकल्पिक दर में बदलने पर विचार करना चाहिए। यह सक्रिय रूपांतरण या उपयुक्त फॉलबैक भाषा के माध्यम से सहित या अन्यथा प्रासंगिक अनुबंधों से प्राप्त किया जा सकता है। इस संबंध में आगामी उचित कदमों का निर्धारण करने के लिए सिडबी ने अपने ग्राहकों के साथ विचार-विमर्श शुरू किया है और इसे करना जारी रखेगा।

SIDBI’s customers should consider the transition of any contracts referencing LIBOR to the relevant RFR or an alternative rate as agreed between parties. This could be achieved by way of active conversion or including appropriate fallback language or otherwise in the relevant contracts. SIDBI has initiated and will continue to engage in discussions with our clients in this regard to determine appropriate next steps.

सिडबी अपने ग्राहकों को अपने लिबोर से संबंधित एक्सपोजर का आकलन करने के लिए और किसी भी लेखांकन, कर और परिचालन संबंधी प्रभावों सहित उनके अनुबंधों और संबंधित व्यवसायों पर लिबोर अवस्थांतर से जुड़े जोखिमों और प्रभाव को समझने के लिए कदम उठाने हेतु प्रोत्साहित करता है।

SIDBI also encourage its clients to perform an assessment of their LIBOR-related exposures and take steps to understand the risks and impact associated with LIBOR transition on their contracts and respective businesses, including any accounting, tax and operational implications.

9. **ग्राहकों के लिए किसी भी परिवर्तन के प्रभाव का शमन करने के लिए सिडबी क्या कर रहा है?**

**What is SIDBI doing to mitigate the impact of any change for clients ?**

सिडबी इस बात से अवगत है कि लिबोर के बंद होने से उसके नए और मौजूदा उत्पादों और सेवाओं दोनों पर और इसका प्रभाव उसके ग्राहकों सहित सभी पक्षों पर पड़ सकता है। सिडबी विभिन्न उद्योग और विनियामक समूहों का सदस्य है और इस संबंध में आगे की कार्रवाई की सक्रियता से निगरानी कर रहा है। उद्योग स्तर पर प्राप्त होने वाले परिवर्तनों के बारे में सिडबी आगे की जानकारी प्रदान करना जारी रखेगा।

SIDBI is aware that the discontinuation of LIBOR may impact both its new and existing products and services and that the impact on all parties, including its customers. SIDBI is a member of various industry and regulatory groups and is actively monitoring developments in this regard. SIDBI will continue to provide more information on the changes as they become known at industry level.

सिडबी इस स्थिति की निकट से निगरानी कर रहा है और जहां उपयुक्त होगा, ग्राहकों को आगे की जानकारी प्रदान करेगा।

SIDBI is closely monitoring this situation and where appropriate, will provide customers with further information.

1. **यदि मुझे लिबोर अवस्थांतर पर अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता है?**

**What if I need additional information on LIBOR transition ?**

सिडबी समय-समय पर इस पेज को अद्यतन करेगा और परिवर्तनों से संबंधित सूचना प्रदान करेगा। इस बीच, यदि आपको किसी और जानकारी की आवश्यकता है, तो कृपया अपने संपर्क प्रबंधक से संपर्क करें। सिडबी उत्पाद या सेवा से संबन्धित वह विशिष्ट जानकारी भी प्रदान कर सकता है, जिस पर आप ध्यानपूर्वक विचार कर सकते हैं।

SIDBI will periodically update this page and provide communications relating to the changes. In the meantime, if you require any further information, please contact your Relationship Manager. SIDBI may also provide you with product or service specific information which you may like to consider carefully.